RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 176
दि. 28.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

भारतीय पुलिस सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

भारतीय पुलिस सेवा के 77 आरआर (2024 बैच) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने आज (27 अक्टूबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हमें अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और उसमें तेजी लाने के लिए सार्वजनिक और निजी निवेशों की लगातार बड़ी मात्रा में आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून-व्यवस्था एक आवश्यक पूर्व-शर्त है। उन्होंने आगे कहा कि निवेश और विकास को बढ़ावा देने में प्रभावी पुलिसिंग आर्थिक प्रोत्साहन जितनी ही महत्वपूर्ण है। युवा अधिकारियों के नेतृत्व में एक भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रपति महोदया ने कहा कि युवा अधिकारी शक्ति और अधिकार वाले पदों पर आसीन होते हैं। अतः उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि अधिकार के साथ जवाबदेही भी आती है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों और आचरण की हमेशा सार्वजनिक जांच होगी। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे जो नैतिक है उसे चुनें, न कि जो सुविधाजनक है। आपात स्थितियों से निपटने के दौरान भी न्यायसंगत और निष्पक्ष प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्हें कानूनों और प्रणालियों से बहुत सारी शक्तियाँ प्राप्त होती हैं, लेकिन वास्तविक अधिकार उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक ईमानदारी से आएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नैतिक अधिकार उन्हें सभी का सम्मान और विश्वास दिलाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी लगभग हर समय अपराध और अपराधियों से निपटता है। इससे उन पर संवेदनहीनता का प्रभाव पड़ सकता है और उनकी मानवीयता कुंद हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि एक प्रभावी अधिकारी बनने की प्रक्रिया में उन्हें अपने भीतर करुणा के मूल को अक्षुण्ण रखने का विशेष प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रपति महोदया ने रेखांकित किया कि प्रौद्योगिकी ने पुलिसिंग के क्षेत्र को काफी हद तक बदल दिया है। लगभग दस साल पहले 'डिजिटल गिरफ़्तारी' अभिव्यक्ति को समझना असंभव होता। वर्तमान में यह नागरिकों के लिए सबसे भयानक खतरों में से एक है। भारत में सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता एआई उपयोगकर्ता आधार है। इसका असर पुलिसिंग पर भी पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि आईपीएस अधिकारियों को एआई सहित नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उन लोगों की तुलना में कई कदम आगे रहना चाहिए, जो इन प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल गलत इरादे से करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पूजा पर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया, राज्यों के सीएम ने भी की विधिवत पूजा

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन परिसर में छठ पूजा समारोह में भाग लिया। इस उत्सव के दौरान, राष्ट्रपति ने अन्य श्रद्धालुओं के साथ डूबते सूरज को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर, राष्ट्रपति ने देशवासियों के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने सभी नागरिकों के कल्याण की कामना की।

वहीं छठ पर्व के तीसरे दिन बिहार ही नहीं महाराष्ट्र, यूपी, राजस्थान, दिल्‍ली, मध्य प्रदेश समेत अय राज्‍यों में घाटों और नदियों के किनारे लाखों की संख्या में लोगों ने जुटकर पूजा अर्चना की।

महाराष्ट्र के मुख्‍यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जुहू पर समुद्र किनारे घाट पर पूजा अर्चना करने पहुंचे और यहां पर बिहारी समुदाय की महिलाओं ने सीएम का टीका किया।

वहीं उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री छठ पर्व मनाने बिहारी समुदाय के लोगों के बीच पहुंचे और उन्होंने डूबते सूरज को अर्घ्य दिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी दिल्ली में यमुना किनारे बने घाट पर पहुंच कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा "सालों बाद दिल्ली ने अपनी भव्यता वापस पा ली है, और लाखों की संख्या में पूर्वांचल के मेरे भाई-बहनों ने यमुना के तट पर भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य देते हुए जो आनंद लिया, उनके चेहरों पर जो संतोष था, वो हमारी सरकार के लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। मैं छठी मैया से प्रार्थना करती हूँ कि उनका आशीर्वाद सभी भारतवासियों और दिल्लीवासियों पर बना रहे।

घाटकोपर रेलवे स्टेशन के पास स्थित 13 मंजिला रविशा टॉवर में लगी आग, 200 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई के घाटकोपर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रविशा टॉवर की पहली मंजिल पर शाम के समय भीषण आग लग गई। यह घटना 27 अक्टूबर 2025 को शाम 07:21 बजे हुई। यह रविशा टॉवर एक व्यावसायिक इमारत है, जिसके कारण आग लगने के समय इसमें बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। इमारत के नीचे दुपहिया और चौपहिया वाहनों की पार्किंग भी थी।

आग लगने के बाद शुरूआती क्षणों में अग्निशमन दल के पहुंचने में देरी हुई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल छठ पूजा महापर्व में शामिल हुए

छठ पूजा एकमात्र महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है
- बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल करने के लिए प्रयासरत है

गांधीनगर, 27 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सोमवार को अहमदाबाद में छठ महापर्व पूजा उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने सभी लोगों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भव्य-दिव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दिवाली का आनंद और रौनक कई गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का मंत्र दिया है, जो हमारे त्योहारों को भी साकार करता है।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि गुजरात में दीपावली के त्योहार पूरे होने के बाद लोग लाभ पंचमी से अपना कामकाज शुरू करते हैं, जबकि बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में सूर्य उपासना के छठ महापर्व की शुरूआत होती है।

उन्होंने कहा कि बिहार में छठ महापर्व के साथ-साथ लोकतंत्र के महापर्व के उत्सव का उत्साह है। छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में लोग उदयाचल सूर्य की पूजा करते हैं, लेकिन छठ पूजा एकमात्र ऐसा महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है। बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्म स्थल वडनगर भी कभी बौद्ध शिक्षा का एक बड़ा केंद्र था। श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में वडनगर में बौद्ध म्यूजियम का विकास किया जा रहा है।

मुस्तफाबाद का नाम होगा 'कबीरधाम', सीएम योगी ने विपक्ष के 'सेक्युलरवाद' को बताया 'पाखंड'

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित विश्व कल्याण आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने 'स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025' में भाग लिया और पूज्य संतों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है, जबकि पहले यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने में लगता था। उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम रखने की घोषणा की और कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया गया था। हमने इन स्थलों की पहचान वापस लौटाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे सेक्युलरिज्म के नाम पर करता था, जबकि यह पाखंड है।

संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही

कबीरधाम आश्रम में आयोजित इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रभक्ति, सनातन परंपरा, विरासत के सम्मान, और विकास की दिशा में सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने निर्गुण भक्ति की वह धारा प्रवाहित की जो समाज की विसंगतियों को तोड़कर आत्मा और परमात्मा का संबंध सरल शब्दों में आमजन को समझाने में सफल रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गुरु गोविंद दोनों खड़े काके लागूं पांव...' यह दोहा आज भी हमें गुरु के महत्व का स्मरण कराता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सैकड़ों वर्ष पूर्व थी।

प्रधानमंत्री ने युवाओं से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0 में भाग लेने का आग्रह किया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत के युवाओं से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0 में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने इसे राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने का बहुमूल्य अवसर बताया है। प्रधानमंत्री ने सभी युवा नागरिकों से इस पहल से जुड़ने और विकसित भारत के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को इस संवाद में भाग लेने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया ।

प्रधानमंत्री ने पर संदेश में कहा:

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0 हमारे युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का शानदार अवसर है।

इंदौर को विकास की बंपर सौगात, सीएम मोहन यादव करेंगे लोकार्पण-भूमिपूजन, 55 करोड़ से अधिक की योजनाओं का शुभारंभ

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल, 27 अक्टूबर को सोमवार को इंदौर पहुंचकर शहर को विकास की बड़ी सौगात देंगे। व्यस्त कार्यक्रम के तहत वे धार्मिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। विशेष रूप से, अमृत-2.0 योजना और मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के अंतर्गत 55 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ और भूमिपूजन करेंगे।

यह दौरा न केवल इंदौर के निवासियों के लिए उत्साह का विषय है, बल्कि शहर को स्वच्छता, जल निकासी और पर्यटन के क्षेत्र में मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इंदौर, जो मध्य प्रदेश का आर्थिक हृदय माना जाता है, इन योजनाओं से और अधिक समृद्धि की ओर अग्रसर होगा।

सीएम का व्यस्त कार्यक्रमः कथा से लैब लोकार्पण तक

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का इंदौर दौरा सुबह से शाम तक भरा-पूरा रहेगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, वे सबसे पहले नंदानगर गोल स्कूल प्रांगण में आयोजित महाराज राजेंद्रदास जी महाराज की कथा कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह धार्मिक आयोजन इंदौर के भक्त समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है, जहां सीएम की उपस्थिति से आस्था और उत्साह का संचार होगा। कथा कार्यक्रम के बाद वे तलावली चांदा (सांवेर) पहुंचेंगे, जहां 8.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवीन फूड एंड ड्रग लैबोरेटरी का लोकार्पण करेंगे। यह लैब इंदौर संभाग के खाद्य सुरक्षा मानकों को मजबूत बनाएगी और स्थानीय उद्योगों व उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्ता जांच की सुविधा प्रदान करेगी।

लोकार्पण के बाद सीएम पश्चिमी रिंग रोड स्थित ब्लू लोटस गार्डन जाएंगे, जहां विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन करेंगे। इसके पश्चात स्कीम 140 के बरसाना गार्डन और ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, नक्षत्र गार्डन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इन स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि ये आयोजन इंदौर की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता को दर्शाएंगे, साथ ही विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा होगी।

भाकपा माले ने घोषणा पत्र जारी किया- वंचितों के लिए 65% आरक्षण समेत किए ये वादे

(जीएनएस)।

सीपीआई (एमएल) लिबरेशन जिसे हिंदी में भाकपा माले के नाम से भी जाना जाता है, उसने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने सभी 12 निवर्तमान विधायकों को फिर से मैदान में उतारा है। पार्टी ने कुल 20 उम्मीदवारों की घोषणा की, जो राज्य की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा रही है। यह जानकारी एक्स.कॉम/सीपीआईएमएल से मिली है।

महागठबंधन की एक प्रमुख घटक, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने रविवार, 26 अक्टूबर, 2025 को बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें भूमिहीनों के लिए भूमि न्याय और वंचित समुदायों के लिए 65% आरक्षण का वादा किया गया है।

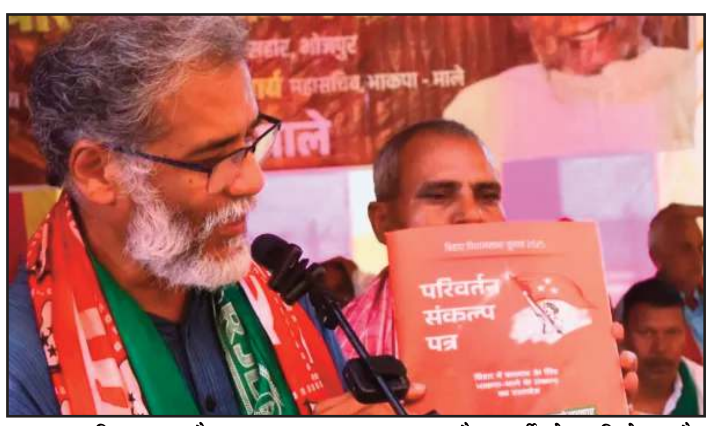

घोषणापत्र में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) सहित इन समुदायों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। पार्टी ने अधिशेष और सरकारी भूमि को भूमिहीन परिवारों में वितरित करने का संकल्प लिया है।

जातिगत जनगणना के माध्यम से न्यायसंगत आरक्षण सुनिश्चित करने का वादा किया गया है, जिसमें सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 65% कोटा शामिल है। इसके अतिरिक्त, घोषणापत्र में गरीब परिवारों को ₹2,500 की मासिक वित्तीय सहायता का भी जिक्र है, जिसमें महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

भूमि विवादों को सुलझाने और निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक भूमि आयोग के गठन का भी वादा किया गया है। अन्य प्रमुख वादों में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 10 लाख सरकारी रिक्तियों को भरना और मनरेगा के तहत ₹800 प्रतिदिन की मजदूरी पर 200 दिन का काम सुनिश्चित करना शामिल है।

सम्पादकीय

कौन बनेगा राजग का मुख्यमंत्री ?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे–जैसे नजदीक आ रहे हैं एनडीए यानि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लेकर सस्पेंस गहराता जा रहा है। महागठबंधन ने जहां तेजस्वी यादव को सीएम पेस घोषित कर चुनावी मैदान में स्पष्ट संदेश दे दिया कि चुनाव के बाद तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

वहीं एनडीए की तरफ से अब तक कोई चेहरा घोषित नहीं किया गया। जब हाल ही में वेंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह से यह सीधा सवाल पूछा गया कि आपके गठबंधन का सीएम पेस कौन होगा तो उन्होंने साफ कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद विधायक दल का नेता बिहार का मुख्यमंत्री तय करेगा। यानि कि उन्होंने साफ इशारा किया कि अभी मुख्यमंत्री कौन होगा यह तय नहीं किया गया। वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुव्रवार को दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी तो नीतीश वुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। राजग नेता ने दावा किया अमित शाह पहले ही साफ कर चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश वुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नीतीश वुमार को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप से मोदी और अमित शाह बिहार चला रहे हैं। सवाल उठता है कि नीतीश वुमार की आज क्या स्थिति है? क्या वह मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो चुके हैं? या फिर अंदरखाते नीतीश कोई बड़ा खेला करने जा रहे हैं? पिछले 20 साल से बिहार की राजनीति दो बिहारी नेताओं के इर्द–गिर्द घूमती रही है। लालू यादव और नीतीश वुमार। पिछले 2 दशकों से तो नीतीश ही बिहार में सबसे सियासी नेता रहे हैं। अब सवाल यही है कि क्या चुनाव के बाद भाजपा नीतीश वुमार को किनारे कर अपना मुख्यमंत्री बनवाएगी? या फिर उन्हें एक बार जनता का चेहरा बनाकर सत्ता में बिठाएगी? राजनीतिक समीकरणों और आंकड़ों की नजर से देखें तो भाजपा के लिए नीतीश को दरकिनार करना आसान नहीं है। आईए समझते हैं क्यों? 71 सीटों का गणित तय करेगा पैसला इस बार। जेडीयू 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इनमें से 71 सीटें ऐसी हैं, जहां नीतीश वुमार की जेडीयू का मुकाबला सीधा तेजस्वी की आरजेडी और लेफ्ट दलों से है।

यानि 70 प्रातिशत से ज्यादा सीटों पर नीतीश और तेजस्वी आमने–सामने हैं। ये बड़ी रणनीति है जो बिहार की राजनीति में सालों से देखी जाती है।

नीतीश और लालू/तेजस्वी एक–दूसरे के खिलाफ ज्यादा सीटों पर लड़ें ताकि भाजपा पर निर्भरता कम हो। बिहार में आमतौर पर यह कहना है कि दोनों लालू और नीतीश एक बात पर एकमत हैं कि बिहार में किसी भी हालत में भाजपा को घुसने नहीं देना क्योंकि एक बार भाजपा घुस गई तो अगले 20 सालों तक कोई और पाटा सत्ता में नहीं आ सकती। नीतीश को भी अब समझ आ गया है कि राजग अगर सत्ता में आया तो उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाने वाली है। नीतीश पुराने मंझे हुए सियासी खिलाड़ी हैं। कई राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा के भीतर अपना मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा भले पुरानी हो, लेकिन इस बार वह समीकरण उतना आसान नहीं है। क्योंकि जेडीयू भले कम सीटों पर लड़े, लेकिन उसकी जीतने वाली सीटें आरजेडी के खिलाफ होंगी, जिससे भाजपा के दबाव की गुजाइंश कम रह जाएगी। बिहार में राजनीतिक इतिहास गवाह है कि नीतीश कभी भी पाला बदलने में झिझकते नहीं हैं। 14 नवम्बर को नतीजे जो भी हों, लेकिन संकेत साफ है कि भाजपा की रणनीतियां जितनी आव्रमक क्यों न हो, नीतीश वुमार अभी भी एनडीए की राजनीति के पावर बैलेंसर बने हुए हैं। जेडीयू के पास इतनी सीटें भले न हों कि वह सरकार अकेले बना सवें, लेकिन इतना जरूर है कि बिना उसके भाजपा का मुख्यमंत्री बनना लगभग नामुमकिन है।

मुंबई में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का शुभारंभ

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की प्रभावी प्रस्तुति की
- भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा 27 से 31 अक्टूबर तक 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का आयोजन
- गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, गोवा एवं ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की भी प्रेरक उपस्थिति
- प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपना कर राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

–: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :–

- गुजरात में चिप एवं शिप बनाने का इको सिस्टम विकसित हुआ है, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल देगा
- सामुद्रिक विरासत की पिछले दो दशकों की यात्रा ने गुजरात को विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बना दिया है
- राज्य में मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है
- देश के कुल कारगो ट्रैफिक का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन गुजरात के बंदरगाहों पर से होता है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए 2047 तक गुजरात के मेजर व नॉन–मेजर पोर्ट्स की क्षमता बढ़ाकर 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 27 अक्टूबर:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को मुंबई में 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपनाया है और राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है।

भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में 27 से 31 अक्टूबर के दौरान आयोजित 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन सत्र में श्री पटेल ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर के विकास की प्रभावी प्रस्तुति की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह के करकमलों से मुंबई में इस द्विवार्षिक मेगा इवेंट का शुभारंभ केन्द्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्री श्री सबानंद सोनोवाल तथा महाराष्ट्र, गोवा व ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में हुआ। इस अग्रणी वैश्विक मैरीटाइम इवेंट में 100 से अधिक देशों के मैरीटाइम इंडस्ट्री के लीडर्स, इनोवेटर्स, इन्वेस्टर्स तथा स्टेकहोल्डर्स एक मंच पर सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री ने इस समिट के उद्घाटन सत्र में गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की गाथा प्रस्तुत करते हुए कहा कि गुजरात में चिप तथा शिप; दोनों को विकसित करने का जो इकोसिस्टम स्थापित हुआ है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को वेगवान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्रभाई तथा श्री अमितभाई के मार्गदर्शन में गुजरात आज जब मैरीटाइम एक्सीलेंस का ग्लोबल लीडर बना है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब से यानी दो दशक पहले से गुजरात के समुद्री विकास की गौरवशाली यात्रा का प्रारंभ हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को 'समुद्र से समृद्धि' का विजन दिया, जिसके फलस्वरूप आज गुजरात विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बन गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने जोड़ा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात ने पोर्ट्स को सड़क मार्ग तथा रेल नेटवर्क से जोड़कर सुदृढ़ कनेक्टिविटी प्रदान की है तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया है। प्रधानमंत्री के विजन से आज गुजरात के बंदरगाह व्यापार के केन्द्रों के साथ–साथ रोजगार, उद्योग तथा विकास के जीवंत केन्द्र बने हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात ने देश को पोर्ट लेड डेवलपमेंट का एक अनूठा व सफल मॉडल दिया है। आज गुजरात देश के कुल कारगो का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन करता है।

उन्होंने जोड़ा कि देश के एलएनजी–एलपीजी क्षेत्र में भी गुजरात अग्रसर है। दहेज में स्थित एलएनजी टर्मिनल का देश के कुल एलएनजी–एलपीजी हैंडलिंग में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। इसके अलावा; देश के कुल जहाज रिसाइकलिंग का 98 प्रतिशत गुजरात के अलंग शिप रिसाइकलिंग यार्ड में होता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात की मैरीटाइम पहचान केवल मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर तक सीमित न रहते हुए राज्य के प्राचीन विरासत, वैभव एवं गौरव का भी अभिन्न हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने डॉकयार्ड लोथल में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो रहा है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के विजन 'विकास भी, विरासत भी' का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने इस बात की भूमिका प्रस्तुत की कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए गुजरात के मेजर व नॉन–मेजर पोर्ट्स की क्षमता 2047 तक 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी के विजन को प्रोत्साहन देने संबंधी गुजरात के प्रयासों का वर्णन करते हुए श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करने के लिए गुजरात अनेक ब्लू इकोनॉमी स्ट्रैटेजीस पर कार्य कर रहा है। इसके लिए मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने कोस्टल कम्युनिटी डेवलपमेंट तथा फिशरीज से जुड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया है। इसी प्रकार; सागरमाला प्रोजेक्ट अंतर्गत पोर्ट मॉडर्नाइजेशन, कनेक्टिविटी तथा स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी के प्रोजेक्ट्स पर भी तेज गति से कार्य हो रहा है।

उन्होंने राज्य के शिप रिसाइकलिंग उद्योग की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े शिप रिसाइकलिंग यार्ड अलंग में स्थित इंस्टीट्यूट द्वारा 40 हजार से अधिक युवाओं का कौशल्यवर्धन भी किया गया है। इसके माध्यम से भविष्य में शिप रिसाइकलिंग सेक्टर में रोजगार तथा सुरक्षा प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व की टॉप फाइव शिप बिल्डिंग कंट्रीज में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके अनुरूप गुजरात वर्तमान शिप याड्र्स की कैपेसिटी बढ़ाकर कम्प्लीट सपोर्टिव पॉलिसी फ्रेमवर्क भी तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने के लिए मैरीटाइम सेक्टर के इनक्लुजिव ग्रोथ पर बल दिया और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री सर्वश्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार तथा अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

पृथ्वी शॉ ने खेली 222 रनों की तूफानी पारी, 34 बाउंड्री के साथ बनाया बड़ा रिकॉर्ड, अगरकर के सामने नई मुसीबत

(जीएनएस)।

भारतीय टीम से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ ने अपना गुस्सा दिखाना शुरू किया है। इस रणजी सीरीज में पृथ्वी शॉ ने तबाही मचाने का मन बना लिया है। चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में उनका बल्ला तूफानी अंदाज में चला है, गेंदबाजों की जमकर धुनाई देखने को मिली। शॉ ने डबल सेंचुरी जमा दी।

पहली पारी में 8 के निजी स्कोर पर आउट होने के बाद शॉ ने दूसरी पारी में धमाल मचा दिया और टी20 स्टाइल में खेलते हुए चौके–छक्कों की बरसात करते हुए गेंदबाजों का धुआं निकाल दिया। उन्होंने शतक के बाद दोहरा शतक पूरा करते हुए 21वीं सदी का बड़ा रिकॉर्ड बना दिया।

25 वर्षीय इस बल्लेबाज ने मात्र 156 गेंदों में 222 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 29 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट

142.31 रहा, जो लाल गेंद के क्रिकेट में बेहद दुर्लभ है। मुंबई के पूर्व बल्लेबाज शॉ ने सिर्फ 73 गेंदों में शतक पूरा किया और फिर 200 रन का आंकड़ा छूने में केवल 141 गेंदें लीं। उनकी यह पारी न सिर्फ आक्रामक थी बल्कि भारतीय टीम में वापसी करने का एक प्रयास भी थी।

इस सदी का बड़ा रिकॉर्ड Prithvi Shaw के नाम

21वीं सदी में सबसे तेज रणजी दोहरा शतक जड़ने का कीर्तिमान पृथ्वी शॉ के नाम हो गया है। इसका मतलब है कि पिछले 25 सालों का यह सबसे बड़ा कीर्तिमान है। ध्यान देने वाली बात तो यह है कि इस पहले भी यह रिकॉर्ड उनके ही नाम था। साल 2019/20 में बड़ौदा के खिलाफ मैच में उन्होंने 174 गेंदों में दोहरा शतक जमाया था।

91 साल के रणजी इतिहास में एलिट डिविजन में पृथ्वी शॉ से तेज डबल सेंचुरी एक बार बनी है। यह रवि शास्त्री के बल्ले से आई थी, उन्हों बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए 123 गेंदों में डबल सेंचुरी मारी थी। यह साल 1983/84 की बात है। टॉप चार सबसे तेज रणजी डबल सेंचुरी में पृथ्वी शॉ का नाम दो बार है। इस डबल हंड्रेड से अजित अगरकर के लिए मुसीबत खड़ी होगी, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज की टीम घोषित होनी है।

कौन हैं आम्रपाली दुबे का पति ? सुहागिन की तरह क्यों छठ मना रहीं एक्ट्रेस ? क्या कर ली शादी ?

(जीएनएस)।

भोजपुरी सिनेमा की क्वीन आम्रपाली दुबे इन दिनों छठ पूजा के रंग में पूरी तरह रंगी नजर आ रही हैं। भक्ति और उत्साह से सराबोर आम्रपाली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर छठ पर्व की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

भोजपुरी क्वीन आम्रपाली दुबे का पति कौन है?

इन तस्वीरों को देखने के बाद फैंस न सिर्फ आम्रपाली दुबे की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं बल्कि कई लोग ये जानने को उत्सुक हैं कि आखिर भोजपुरी क्वीन आम्रपाली दुबे का पति कौन है?

सुहागिन लुक में दिखीं आम्रपाली दुबे

–आम्रपाली दुबे ने अपने इंस्टाग्राम पर छठ पूजा के मौके पर कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में वह पूरी तरह पारंपरिक सुहागिन लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने पीले रंग की खूबसूरत साड़ी, हाथों में चूड़ियां, नाक में नथ और माथे पर सिंदूर लगाया हुआ है।

–इतना ही नहीं एक्ट्रेस के गले में मंगलसूत्र भी नजर आ रहा है। आम्रपाली दुबे के इस लुक को देखकर फैंस को लगा कि शायद उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है।

आम्रपाली दुबे ने पोस्ट के कैप्शन

में लिखी ऐसी बात

–छठ की तस्वीरों क शेयर करते हुए आम्रपाली दुबे ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है– सब कहु के छठ पूजा के अत्यंत शुभकामना एवं बधाई। छठी मैया के कृपा हमेशा बनल रहो। जय छठी मैया।

–आम्रपाली दुबे का ये पारंपरिक अंदाज और श्रद्धा से भरा लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। ऐसे में कई लोग एक्ट्रेस से पूछ रहे हैं कि उनका पति कौन है?

लोगों ने आम्रपाली दुबे से पूछे ऐसे सवाल

आम्रपाली दुबे की पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार बरसाया है लेकिन साथ ही लोगों ने कई तरह के सवाल भी किए है। एक यूजर ने लिखा है– इनका पति कौन है? वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा है– क्या इन्होंने शादी कर ली है? कुछ यूजर्स ने ये भी लिखा है कि सिंदूर और मंगलसूत्र जैसी चीजें केवल फोटोशूट के लिए नहीं होनी चाहिए।

नए छठ गीत के प्रमोशन का हिस्सा

–इन तमाम चचाओं के बीच फैंस इस कन्फ्यूजन में हैं कि आखिर आम्रपाली दुबे ने ये पारंपरिक लुक क्यों अपनाया है। आपको बता दें कि आम्रपाली दुबे की ये तस्वीरें उनके नए छठ गीत के प्रमोशन का हिस्सा हैं। इस गाने में वह भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के साथ नजर आ रही हैं। पोस्ट में उन्होंने साफ किया कि ये फोटोज उनके गाने की शूटिंग के दौरान की हैं।

–आम्रपाली दुबे ने लिखा है– जय छठी मैया। सभी को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे गाने को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। आपकी रील्स का इंतजार रहेगा। पूरा गाना देखने के लिए Amrapali Dubey Official यूट्यूब चैनल पर जाएं, लिंक बायो में है।

–आम्रपाली दुबे के इस पारंपरिक अवतार पर फैंस लगातार तारीफों के पुल बांध रहे हैं। किसी ने उन्हें भोजपुरी की सबसे खूबसूरत देवी कहा है तो किसी ने छठी मैया की सच्ची भक्त बोला है।

–आम्रपाली दुबे ने एक बार फिर अपने ट्रेडिशनल लुक से फैंस का दिल जीत लिया है और ये साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि भोजपुरी संस्कृति की असली पहचान हैं।

भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीकी टेस्ट टीम का ऐलान

(जीएनएस)।

पाकिस्तान में खेलने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर आने वाली है। दो टेस्ट की सीरीज के अलावा सफेद गेंद सीरीज भी खेली जाएगी। टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का ऐलान कर दिया गया है। इसमें एक दिग्गज खिलाड़ी की वापसी हुई है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेम्बा बवुमा फिट होकर वापस लौट आए हैं, यह टीम के लिए राहत की बात कही जा सकती है। बवुमा को पिंडली में चोट लग गई थी, अब वह ठीक होकर वापस लौट आए हैं। टीम को उनके आने से फायदा निश्चित तौर पर होगा।

पाकिस्तान दौरे से दक्षिण अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के नए चक्र की शुरूआत की थी, दक्षिण अफ्रीकी टीम ने दूसरा टेस्ट जीतकर वहां सीरीज बराबर कर दी थी। टेम्बा बवुमा इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीकी

टीम का हिस्सा नहीं रहे। पाकिस्तान में रावलपिंडी टेस्ट जीत में स्पिन तिकड़ी केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरन मुथुसामी का अहम योगदान रहा था। अब इन तीनों को भारत दौरे पर भी टीम में शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी लाइनअप टेम्बा बावुमा की वापसी से और मजबूत हो गई है। टीम में अब एडन मार्करम, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा और रायन रिकेलटन जैसे बल्लेबाज शामिल हैं, जबकि काइल वेरेयने टीम के निर्धारित विकेटकीपर होंगे।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेला जाएगा, यह मैच 14 नवंबर से शुरू होगा। दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाना है। दक्षिण अफ्रीका के लिए काम आसान नहीं होगा लेकिन पाकिस्तान में हासिल की गई जीत से मनोबल जरूर बढ़ा होगा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम में ये खिलाड़ी शामिल

टेम्बा बवुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरियने।

भारत के आगामी सीजेआई, जिनके 10 ऐतिहासिक फैसलों ने हिलाई राजनीति

सुप्रीम कोर्ट में सियासी भूचाल लाने वाले फैसलों के लिए मशहूर जस्टिस सूर्यकांत अब भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (CJI) बनने की कगार पर हैं। मौजूदा उखक जस्टिस बीआर गवई के 23 नवंबर 2025 को रिटायरमेंट के बाद 24 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत शपथ लेंगे और फरवरी 2027 तक देश की न्यायिक कमान संभालेंगे। हरियाणा के छोटे से शहर हिसार के साधारण परिवार से निकले इस जज ने मेहनत और ईमानदारी से न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट का रास्ता तय किया, बल्कि उनके 10 बड़े फैसलों ने केंद्र–राज्य सरकारों के बीच तीखी बहस छेड़ दी।

अनुच्छेद 370 से लेकर पेगासस जासूसी, OROP योजना, AMU के अल्पसंख्यक दर्जे, PM सिक्योरिटी चूक, प्रोफेसर महमूदाबाद की अंतरिम जमानत, भूमि अधिग्रहण के 'बेल्टिंग मेथड', सोशल मीडिया पर फ्री स्पीच, महिला सरपंच की बहाली, और बैर एसोसिएशन में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण–इन फैसलों ने राजनीतिक हलचल मचा दी। आखिर कौन हैं ये जस्टिस सूर्यकांत, जिनका कार्यकाल न्यायिक इतिहास में नया अध्याय लिख सकता है? आइए, उनके 10 फैसलों पर डालते हैं नजर, जो देश की सियासत को दिशा देने वाले साबित हुए...

10 फरवरी 1962 को हरियाणा के हिसार जिले के पेटवार गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत ने कभी कल्पना भी न की होगी कि वो हरियाणा के पहले उखक बनेंगे। 1981 में हिसार के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद, 1984 में महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक से लॉ की डिग्री ली। उसी साल हिसार जिला कोर्ट में वकालत शुरू की, लेकिन 1985 में पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट चले गए। संवैधानिक, सिविल और सर्विस मामलों में महारत हासिल करने वाले सूर्यकांत कई यूनिवर्सिटी, बोर्ड और बैंकों के लीगल एडवाइजर बने। उनकी

काबिलियत देखते हुए हरियाणा सरकार ने उन्हें एडवोकेट जनरल बनाया।

2004 में पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट के जज बने, जहां उन्होंने जेल रिफॉर्म्स और जेंडर जस्टिस पर लैंडमार्क फैसले दिए। 2018 में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने। 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। यहां 300 से ज्यादा बेंच पर बैठे, 1000 से अधिक फैसलों में योगदान दिया। 2024 से सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमिटी के चेयरमैन और नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (NALSA) के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं। मई 2025 में ठअछरअ चेयरमैन बने। उनका कार्यकाल सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और प्रशासनिक सुधारों पर फोकस करता दिखता है। जस्टिस सूर्यकांत का सफर मेहनत का प्रतीक है– एक ऐसे जज जो 'सोशल एम्पैथी' और 'कॉन्स्टिट्यूशनल क्लैरिटी' का बैलेंस रखते हैं।

जस्टिस सूर्यकांत के फैसले न सिर्फ कानूनी किताबों में दर्ज हैं, बल्कि उन्होंने राजनीतिक बहसों को नई ऊंचाई दी। यहां उनके 10 प्रमुख फैसलों की झलक, जो केंद्र–राज्यों के बीच तनाव बढ़ाने और सामाजिक बदलाव लाने वाले साबित हुएः–

अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन (दिसंबर 2023): पांच जजों की संविधान पीठ का हिस्सा रहे जस्टिस सूर्यकांत ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करने के केंद्र के फैसले को वैध ठहराया। इस फैसले ने विपक्षी दलों में भारी हंगामा मचाया और संघीय ढांचे पर बहस छेड़ दी।

PM सिक्योरिटी चूक जांच समिति (2022): नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा लापरवाही पर जस्टिस इंदु मल्होत्रा की अगुवाई वाली बेंच में शामिल होकर पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की। इससे केंद्र और पंजाब सरकार के बीच सियासी जंग तेज हो गई, और 'फेडरल सिक्योरिटी' मुद्दा गरमाया।

OROP योजना को वैध ठहरायाः सशस्त्र बलों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना को संवैधानिक करार दिया। साथ ही, महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन के बराबर मौके देने पर सुनवाई की, जिसने लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया और वीर नारियों के अधिकारों पर चर्चा छेड़ी।

AMU के अल्पसंख्यक दर्जे पर पुनर्विचार (2024): सात जजों की बेंच में हिस्सा लेकर 1967 के फैसले को पलट दिया। 1981 के दो जजों के रेफरल को 'बैड इन लॉ' बताते हुए चीफ जस्टिस के बेंच रोस्टर अधिकार पर जोर दिया। इससे शैक्षणिक संस्थानों के दर्जे पर नई सियासी बहस शुरू हुई।

पेगासस जासूसी मामले में सख्त रुख (2021): पेगासस स्पाइवेयर जांच वाली बेंच में शामिल होकर साइबर एक्सपर्ट कमिटी गठित की। 'नेशनल सिक्योरिटी' के नाम पर मनमानी न करने का आदेश दिया, जिसने प्राइवेसी राइट्स पर देशव्यापी डिबेट छेड़ी और विपक्ष ने इसे 'सरकारी जासूसी' का सबूत बताया।

प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत (21 मई 2025): हजरियाना पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट (ऑपरेशन सिंदूर) पर गिरफ्तारी के खिलाफ जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह के साथ बेंच ने अंतरिम जमानत दी। लेकिन पासपोर्ट जमा और सोशल मीडिया पर सख्त शर्तें लगाईं। कोर्ट की 'हम जानते हैं कैसे डील करें' वाली भाषा ने अभिव्यक्ति स्वतंत्रता पर विवाद खड़ा कर दिया।

भूमि अधिग्रहण 'बेल्टिंग मेथड' को मान्यता (2025): राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास जमीन के मूल्यांकन में 'प्रॉक्सिमिटी प्रीमियम' को वैध ठहराया। इससे मुआवजे में पारदर्शिता आई, लेकिन आलोचकों ने छोटे किसानों को नुकसान का हवाला देकर सियासी हमला बोला।

सोशल मीडिया पर फ्री स्पीच केस (2025): बेंच ने ऑनलाइन टिप्पणियों पर 'कॉशन एंड रेस्ट्रेंट' का आदेश दिया। 'हिडन मीनिंग' वाली पोस्ट्स को शांति भंग मानते हुए अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया, जिसे विपक्ष ने 'सेंसरशिप' करार दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

वडोदरा मंडल के 41 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मंडल के 41 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि वैगन में धुआ निकलते देखा, ब्रेक बाइंडिंग, वैगन का बोल्स्टर स्प्रिंग टूटी अवस्था में तुरंत अपने अधिकारियो को बताना, ट्रैक के पास लगी आग को बुझाना, मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडलं को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

भावनगर रेलवे मंडल पर सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ 'सर्तकता जागरूकता सप्ताह' का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2025 को 'सर्तकताः हमारी साझा जिम्मेदारीह्न थीम के साथ सर्तकता जागरूकता सप्ताह की शुरूआत की गई। यह सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक मनाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों एवं रेल कर्मचारियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने उपस्थित सभी को अपने कार्यों में निष्ठा, पारदर्शिता और कानून के नियमों के पालन का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान, संगोष्ठी एवं डिजिटल माध्यम से सतर्कता के संदेशों का प्रसार किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक एवं कर्मचारी में यह भावना जागृत करना है कि सर्तकता केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

रेल मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर-2 नवंबर) की शुरूआत की

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की थीम "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी" शासन में नैतिक आचरण और पारदर्शिता पर बल देती है

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों से पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के जरिए ईमानदारी, दक्षता और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों को बनाए रखने की अपील की

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता को बढ़ावा देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, पोस्टर अभियानों और संवादमूलक सत्रों सहित सप्ताह भर के कार्यकलापों की योजना बनाई

(जीएनएस)। रेल मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की अगुवाई में आयोजित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अनुरूप, रेलवे बोर्ड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मना रहा है। इस सप्ताह का उद्देश्य लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम की शुरूआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीआरबी) श्री सतीश कुमार द्वारा रेलवे बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर हुई। शपथ समारोह में मंत्रालय के विभिन्न निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष और वर्चुअल रुप से भाग लिया। यह समारोह 27 अक्टूबर, 2025 से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगा।

केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा अधिसूचित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की विषय-वस्तु है, "सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी।" यह विषय-वस्तु नैतिक आचरण, शासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व के महत्व पर बल देती है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ ने अपने संबोधन में सुशासन को बढ़ावा देने में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और सभी अधिकारियों से ईमानदारी, दक्षता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा किए गए विभिन्न डिजिटल और प्रणालीगत सुधारों को भी रेखांकित किया।

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने पूरे सप्ताह के दौरान कई कार्यकलापों की योजना बनाई है, जिनमें संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, पोस्टर अभियान और संवादमूलक सत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है।

मंडल कार्यालय एवं भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में महिला कर्मचारियों के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना

महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए, भावनगर मंडल में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कर्मचारी हित निधि के सौजन्य से मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष और भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की गई है। यह पहल महिला कर्मचारियों के कार्यस्थल पर स्वच्छता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में मंडल प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

दिनांक 20 अक्टूबर, 2025 को मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष में इस मशीन का शुभारंभ एवं अर्पण अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना का शुभारंभ एवं अर्पण दिनांक 26 अक्टूबर, 2025 को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता श्री विजय भट्ट, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री संतोष कुमार वर्मा, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। आगे इस सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना रेलवे अस्पताल, भावनगर परा और C&W कार्यशाला, पोरबंदर में शीघ्र ही की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी महोदय ने महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करते हुए वरिष्ठतम महिला कर्मचारी के माध्यम से रिबन कटवाया। इस gesture के माध्यम से उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान, समान अवसर और कार्यस्थल पर उनकी गरिमा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना न केवल महिला कर्मचारियों को आवश्यक सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि यह उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनने के लिए भी प्रेरित करेगी। ऐसी मशीनों की उपलब्धता से कार्यस्थल पर स्वच्छता और आराम की भावना बढ़ेगी, जिससे कार्य निष्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

कार्यशाला के पर्यवेक्षकगणों और कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम महिला सहयोगियों की जरूरतों को समझते हुए उठाया गया है। उपस्थित महिला कर्मचारियों ने स्थानीय कर्मचारी हित निधि एवं मंडल प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और इस पहल को 'महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण" की दिशा में एक प्रगतिशील प्रयास बताया। भावनगर मंडल प्रशासन का यह कदम रेलवे परिवार में महिला कर्मचारियों के कल्याण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और आधुनिक सोच का प्रतीक है।

त्योहार समयः अब तक संचालित ट्रेनों में 1.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यात्रा की

यात्रियों ने सकारात्मक अनुभव साझा किए और त्योहारों के दौरान आरामदायक और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे के प्रयासों की सराहना की

त्योहारों के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए बिहार और उससे सटे उत्तर प्रदेश के 30 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं

(जीएनएस)। भारतीय रेल ने त्योहारों के दौरान अब तक 1.5 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ट्रेनों के जरिए पहुँचाया है। त्योहारों के मौसम के अंत तक यह संख्या 2.5 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए, बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों के 30 प्रमुख स्टेशनों पर बड़े होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

हाल के वर्षों में, रेलवे के बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण निवेश से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विशेष ट्रेनों की संख्या पहले केवल कुछ सौ थी, जो अब रिकॉर्ड तोड़ संख्या तक पहुँच गई है। ट्रैक निर्माण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो एक दशक पहले मात्र 400-600 किमी प्रति वर्ष से बढ़कर आज 4,000 किमी प्रति वर्ष हो गई है।

त्योहारों के दौरान लोगों की सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल के प्रयास

रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सहायता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं ताकि त्योहारों के दौरान सभी सुरक्षित घर पहुँच सकें।

छठ पूजा के मद्देनजर, रेलवे ने व्यस्ततम यात्रा अवधि को संभालने के लिए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया है।

बिहार के रेलवे स्टेशन त्योहारों की भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सीसीटीवी निगरानी और अन्य सुविधाओं की तैयारी कर रहे हैं।

पटना रेलवे स्टेशन पर, त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया स्थापित किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दानापुर रेलवे स्टेशन पर समर्पित होल्डिंग एरिया भी स्थापित किया है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारतीय रेल छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। दानापुर रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें 247 तैयार रखी गई हैं।

पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर, समर्पित रेल कर्मचारियों ने जरूरतमंद यात्रियों की सहायता की और छठ पर्व के दौरान उनकी सुरक्षित, आरामदायक और सुखद यात्रा सुनिश्चित की।

यात्रियों ने भारतीय रेल के साथ यात्रा के सकारात्मक अनुभव साझा किए

यात्रियों ने इस त्योहारी सीजन में सुगम यात्रा अनुभव की सराहना की है, जिसमें आसान बुकिंग, साफ-सुथरे कोच और सुव्यवस्थित स्टेशन शामिल हैं।

छठ पर्व के दौरान, नई दिल्ली और पटना के बीच विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, भारतीय रेल ने आज छठ के लिए घर जाने वाले यात्रियों के उत्साह को बढ़ाते हुए कई पारंपरिक छठ गीत बजाए। पूरे भारत में, वर्तमान में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ चल रही हैं, जिनमें पटना और नई दिल्ली के बीच यह विशेष ट्रेन नियमित सेवाओं के अलावा चल रही है।

बिहार के जमालपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ने के कारण ट्रेन में भीड़ नहीं थी। उसी स्टेशन पर एक अन्य यात्री ने बताया कि साफ-सफाई सहित सभी सुविधाएँ अच्छी तरह से रखी गई थीं और उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

एक यात्री ने स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारतीय रेलवे को धन्यवाद दिया। उस यात्री ने स्टेशन पर छठ से संबंधित गीत बजाने की पहल की सराहना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे आध्यात्मिक और उत्सव का वातावरण बन रहा है।

यात्रियों ने त्योहारों के दौरान बेहतर यात्रा व्यवस्था के लिए भारतीय रेलवे की सराहना की। एक महिला यात्री ने बताया कि उसके परिवार को कन्फर्म टिकट मिले और उन्हें कोई समस्या नहीं हुई, और उन्होंने दिल्ली स्टेशनों पर बेहतर प्रबंधन की सराहना की। अन्य यात्रियों ने समय पर ट्रेनों के आने, साफ-सुथरे डिब्बों और शौचालयों, अच्छे भोजन और बिस्तर, और कुल मिलाकर सुगम और आरामदायक यात्रा का ज़िक्र किया।

अपने विशाल नेटवर्क, समर्पित कर्मचारियों और यात्री सुविधा पर विशेष ध्यान देने के साथ, भारतीय रेल हर यात्री को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अतिरिक्त ट्रेनें चलाने से लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और समय की पाबंदी बनाए रखने तक, त्योहारों के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है। रेल कर्मचारियों के सक्रिय कदम और कड़ी मेहनत देश भर के यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित यात्रा प्रदान करने के लिए संगठन के समर्पण को दशार्ती है।

'तू चिंता ना करा, जीत तोहरे होई', बुजुर्ग महिला से लिपटकर रोई ज्योति सिंह, क्या बदलेगी तस्वीर?

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चरम पर है, हर दल चुनाव जीतने के लिए एड़ी-चोटी का दम लगा रहा है तो वहीं रोहतास जिले की काराकाट विधानसभा सीट (संख्या 213) ज्योति सिंह की वजह से लगातार सुर्खियों में हैं। वो यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं और लोगों से मिल रही हैं, उनका सुख-दुख जान रही हैं तो वहीं अपना गम भी शेयर कर रही हैं।

सुपर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वो एक बुजुर्ग महिला के गले लगकर रोती दिख रही हैं। वो महिला भी आंखों में आंसू लेकर बोल रही है, 'तू चिंता ना करा, जीत तोहरे होई, हम सब साथ हई तोहरे।'

इसके बाद वो महिला बोलती हैं कि 'इस बेटी का समर्थन ना करेंगे तो फिर किसका करेंगे, हमारी भी तो बेटी हैं, वैसने ईहो है, इसलिए हमरा पूरा समर्थन इस बेटी के साथ है।'

कई वीडियो और रील सोशल मीडिया पर वायरल

ज्योति सिंह के ऐसे कई वीडियो और रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, अब ये प्रेम और भावुकता वोट में बदलेंगे या नहीं ये तो आने वाला वक्त बताएगा लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि ज्योति सिंह के चुनावी रण में उतरने से यहां की लड़ाई रोचक हो गई है। आपको बता दें कि इसी क्षेत्र से ज्योति सिंह के पति पवन सिंह लोकसभा चुनाव लड़े थे लेकिन वो हार गए थे।

इससे पहले ज्योति सिंह ने लोगों से चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद करने की अपील की थी और अपना क्यूआर कोड भी शेयर किया था,जिससे लोग उनकी ऑन लाइन भी मदद कर सकें।

आपको बता दें कि पवन सिंह ने अपनी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के बारे में कुछ वक्त पहले एक प्रेसवार्ता करके कहा था कि 'उन्हें चुनाव लड़ना है, वो विधायिका बनना चाहती हैं और इसी कारण वो इस तरह का तमाशा कर रही हैं, मैं जब अमित शाह से मिला, उसके बाद ही उन्हें अचानक क्यों पत्नी धर्म याद आ गया।'

आप पत्नी वाला सम्मान मुझे दे दीजिए:

उस वक्त तो ज्योति सिंह ने कहा था कि 'मेरा चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है, आपसे बस मैं यही चाहती हूं कि वो आप पत्नी वाला सम्मान मुझे दे दीजिए, बाकी मुझे किसी भी चीज की इच्छा और अपेक्षा नहीं है।' लेकिन इसके कुछ वक्त बाद ज्योति सिंह ने काराकाट से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया, हालांकि वो निर्दलीय इस इलाके से उतरी हैं।

तलाक का केस आरा कोर्ट में चल रहा, घर का झगड़ा अब सड़क पर

गौरतलब है कि पवन सिंह और ज्योति सिंह का तलाक का केस आरा कोर्ट में और गुजारा का केस बलिया में चल रहा है। ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर उनका गर्भपात कराने और दूसरी महिलाओं से अफेयर के आरोप लगाए हैं।

लाडली बहनों के लिए खुशखबरी! जल्द खाते में आएंगे 1500 रुपये, बिना ई-केवाईसी के, जानिए कैसे

(जीएनएस)। महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना की लाभार्थी महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। राज्य सरकार ने हाल ही में अनिवार्य किए गए ई-केवाईसी प्रक्रिया को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

इस फैसले से न केवल लाखों महिलाओं की नाराजगी दूर हुई है, बल्कि अक्टूबर महीने की 1500 रुपये की मासिक किस्त भी बिना किसी रुकावट के उनके बैंक खातों में पहुंचने का रास्ता साफ हो गया है। लेकिन क्या यह सिर्फ राहत है या चुनावी रणनीति? आइए, इस योजना के ताजा अपडेट, कारणों और प्रभावों को विस्तार से समझते हैं।

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने 24 अक्टूबर 2025 को एक आधिकारिक घोषणा के माध्यम से लाडली बहिन योजना की ई-केवाईसी प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "ई-केवाईसी को अनिवार्य करने का उद्देश्य योजना के दुरुपयोग को रोकना था, लेकिन इससे लाभार्थी महिलाओं में व्यापक असंतोष फैल गया। इसलिए, इसे अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। अक्टूबर की किस्त अगले कुछ दिनों में जारी कर दी जाएगी।"

इससे पहले, 5 अक्टूबर 2025 को सरकार ने योजना के नियमों में बदलाव किया था। इसके तहत न केवल लाभार्थी महिला, बल्कि शादीशुदा महिलाओं के पति या अविवाहित महिलाओं के पिता की ई-केवाईसी भी अनिवार्य कर दी गई थी। पैन कार्ड आधारित इस प्रक्रिया से परिवार की कुल वार्षिक आय (2.5 लाख रुपये से अधिक न होने) का सत्यापन होता था। लेकिन महिलाओं को यह प्रक्रिया जटिल और गोपनीयता का उल्लंघन लगी।

मंत्री नरहरी झिरवल ने 25 अक्टूबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "यह फैसला महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। योजना का उद्देश्य उन्हें सशक्त बनाना है, न कि परेशान करना। सितंबर की किस्त के लिए 410.30 करोड़ रुपये जारी हो चुके हैं, और अक्टूबर की राशि भी इसी सप्ताह हस्तांतरित होगी।"

क्यों लगाया गया था ई-केवाईसी का जाल? दुरुपयोग रोकने की कोशिश

लाडकी बहिन योजना की शुरूआत 2024 में हुई थी, जब महायुति सरकार ने इसे चुनावी वादे के रूप में लॉन्च किया। योजना का मकसद आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं (21 से 65 वर्ष आयु वर्ग, परिवार आय 2.5 लाख से कम) को हर महीने 1500 रुपये की सहायता देकर आत्मनिर्भर बनाना है। लेकिन एक साल में ही समस्याएं उभरीं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, योजना का लाभ कुछ अमीर परिवारों या गलत पात्रताओं तक पहुंच रहा था। उदाहरण के लिए, जहां महिला की आय कम दिखाई जाती थी, लेकिन परिवार की कुल आय सीमा से अधिक थी। ई-केवाईसी को लागू करने का मुख्य कारण यही था - पिता या पति की आय सत्यापित कर फर्जी लाभार्थियों को बाहर करना। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिती तटकरे ने 22 अक्टूबर को ट्विटर (अब एक्स) पर पोस्ट किया था, "दो महीने के भीतर ई-केवाईसी पूरी न करने पर किस्त रुक सकती है। यह योजना के शुद्धिकरण के लिए जरूरी है।"

हालांकि, इस नियम से लगभग 2 करोड़ 56 लाख लाभार्थियों में से लाखों प्रभावित हुए। कई महिलाओं ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट और स्मार्टफोन की कमी से केवाईसी मुश्किल हो गया। एक लाभार्थी ने कहा, "मैं किसान की बेटी हूं, पिता की आय साबित करने के लिए दौड़-भाग क्यों? यह मेरी आजादी पर सवाल है।"

लाडकी बहिन योजना ने महायुति को 2024 विधानसभा चुनावों में भारी सफलता दिलाई, जहां महिलाओं के वोट निर्णायक साबित हुए। अब तक सरकार ने 2 करोड़ 56 लाख महिलाओं को लाभ पहुंचाया है, और कुल 14 किस्तें (अगस्त 2025 तक) वितरित हो चुकी हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में 3,960 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सितंबर की किस्त दिवाली से पहले जारी हुई, और अब अक्टूबर की 1500 रुपये की राशि भाई दूज से पहले पहुंचेगी।

लेकिन अफवाहों का बाजार भी गर्म रहा। बीते दिनों सोशल मीडिया पर दावे उभरे कि योजना बंद हो जाएगी। मंत्री झिरवल ने इनका खंडन करते हुए कहा, "मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में यह योजना कभी रद्द नहीं होगी। यह महिलाओं का हक है।" विशेषज्ञों का कहना है कि ई-केवाईसी निलंबन आगामी स्थानीय निकाय चुनावों (2026) को ध्यान में रखते हुए लिया गया रणनीतिक कदम है। राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, "यह स्कैंडल से ज्यादा स्ट्रैटेजी लगता है - महिलाओं की नाराजगी दूर कर वोट बैंक मजबूत करना।"

भारत में भर-भरकर बन रहीं नकली दवाईयां-टूथपेस्ट-ईनो, बहुत कम दोषियों पर होती है कार्रवाई!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में हुए खांसी की दवा पीने के बाद हुई 24 शिशुओं की मौत ने देश के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है। साल 2023 से 2025 के बीच नकली और दूषित दवाओं से जुड़े कई मामले सामने आए हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में दोषियों को या तो बहुत कम सजा मिली या कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाल ही में गुजरात के कच्छ में अधिकारियों ने एक ऐसी फैक्ट्री पकड़ी जहां "सस्ते और घटिया" तत्वों से नकली कोलगेट टूथपेस्ट, सेंसोडाइन, ईनो और यहां तक कि सिगरेट तक बनाई जा रही थीं।

उत्तर प्रदेश में 200 करोड़ की नकली दवाओं का भंडाफोड़

अगस्त 2025 में उत्तर प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग और एसटीएफ ने आगरा और लखनऊ में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस दौरान 200 करोड़ रुपये से अधिक की नकली दवाएं जब्त हुईं और कई विक्रेता गिरफ्तार किए गए। जांच में पता चला कि यह नेटवर्क चेन्नई और पुदुचेरी से नकली दवाएं मंगाकर उन्हें मधुमेह, दर्द निवारक, सर्दी और खांसी की नामी ब्रांडेड दवाओं के रूप में बेच रहा था। आगरा के एक व्यापारी ने जांच में देरी के लिए 1 करोड़ रुपये रिश्वत देने की भी कोशिश की।

कानपुर पुलिस ने 60 घंटे लंबे अभियान में दो अवैध फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया। यहां 434 प्रकार की नकली दवाएं तैयार की जा रही थीं, जिनकी कीमत लगभग 4.5 करोड़ रुपये थी। आरोपी लोग जटिल कंप्यूटर रिकॉर्ड का इस्तेमाल करके इन दवाओं को भारत, अफ्रीका और अफगानिस्तान तक बेच रहे थे ताकि पकड़े न जा सकें।

पंजाब में दर्जनों मरीजों की तबीयत बिगड़ने के बाद अक्टूबर

2025 में स्वास्थ्य विभाग ने आठ इंट्रावेनस (क्व) तरल पदार्थों और इंजेक्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें नॉर्मल सलाइन, डेक्सट्रोज 5 प्रतिशत, सिप्रोफ्लोक्सासिन और बुपिवाकेन-डेक्सट्रोज मिक्स शामिल थे। इस प्रतिबंध से राज्य के अस्पताल प्रभावित हुए और कई प्रमुख कंपनियों के उत्पाद भी वापस लिए गए। स्वास्थ्य मंत्री ने जांच का आदेश दिया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राजस्थान के औषधि नियामक ने भी चिंताजनक आंकड़े साझा किए। इंडिया टुडे की एक जांच के मुताबिक, राज्य में सैकड़ों दवाएं-जिनमें एमोक्सिसिलिन, सिप्रोफ्लोक्सासिन, एंटीहिस्टामिन, मधुमेह और दर्द निवारक दवाएं शामिल थीं-गुणवत्ता परीक्षण में फेल हो गईं। कई नकली दवाएं रिपोर्ट आने से पहले ही मरीजों तक पहुँच चुकी थीं।

विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि नकली दवाओं में अक्सर गलत खुराक या जहरीले तत्व होते हैं। नकली एंटासिड (जैसे ईनो) से एलर्जी, रक्तस्राव या अल्सर का खतरा हो सकता है। नकली एंटीबायोटिक्स संक्रमण का इलाज नहीं कर पातीं और अंगों को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकती हैं। फर्जी टूथपेस्ट मसूड़ों और दातों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जबकि नकली सिगरेट या मसाले में कैंसर समेत दूसरी बीमारियां पैदा करने वाले तत्व पाए गए हैं।

राजस्थान की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैकड़ों बच्चे अनजाने में नकली दवाएं खा चुके हैं। 2022 में भारत निर्मित खांसी की सिरप से गाम्बिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 19 बच्चों की मौत हुई थी। हल्ड और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियों ने इसकी वजह भारत की कंपनी मेडन फार्मास्युटिकल्स द्वारा बनाई गई खांसी और जुकाम की सिरप को बताया। इस साल पंजाब को भी दूषित सलाइन और रिंगर लैक्टेट वापस लेने पड़े। डॉक्टरों ने कहा, "अगर क्व तरल पदार्थ की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो मरीजों की जान खतरे में रहती है।"

बचने क्या है विकल्प?

ग्राहकों को सतर्क रहना चाहिए और केवल अधिकृत फामेर्सी से दवाएं खरीदनी चाहिए। पैकेट पर क्यूआर कोड, स्क्रैच-ऑफ लेबल, बैच नंबर और समाप्ति तिथि जांचें। अजीब पैकेजिंग या वर्तनी की गलतियों से सावधान रहें। किसी भी संदिग्ध उत्पाद की सूचना स्थानीय औषधि विभाग या उपभोक्ता हेल्पलाइन पर दें।

कितनी सख्त है सरकार?

लगातार हो रहे घोटालों के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कई कंपनियों के लाइसेंस रद्द किए हैं। मार्च 2023 में स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि नकली दवा बनाने वालों को "बख्शा नहीं जाएगा।" हल्ड द्वारा भारत बने सिरप को शिशु मृत्यु से जोड़ने के बाद सरकार ने 80 मिलियन डॉलर की राशि जांच और लैब में सुधार के लिए आवंटित की।

नए नियम और कानूनी जवाबदेही

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) अब वितरकों और व्यापारियों पर भी कानूनी जिम्मेदारी तय करने की तैयारी कर रहा है। प्रस्ताव है कि अगर कोई केमिस्ट या वितरक नकली दवाओं को सिर्फ.स्टोर या बेचता भी है, तो उसे सजा दी जा सके। यह कदम उस 'ङ्कङ्कस्रॅङ्क' को खत्म करेगा जो अब तक उन्हें चालान दिखाकर बचने देता था। हालांकि अब तक ऐसा कोई नियम धरातल पर कितना सख्ती से लागू है इसके साक्ष्य मिलने में कोई साफ डेटा सामने नहीं आ सका है।

सरकार सभी दवाओं पर यूनिक क्यूआर कोड लगाने पर विचार कर रही है ताकि उपभोक्ता और डॉक्टर तुरंत उसकी असलियत जांच सकें।

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता स्टारर 'वध 2' की रिलीज डेट आई सामने

(जीएनएस)।

एक नई कहानी जो गहरे मानवीय जज्बातों और नैतिक दुविधाओं से भरी है, अब बड़े पर्दे पर खुलने जा रही है! लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स ने गर्व के साथ वध 2 की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है, जिसमें संजय मिश्रा और नीना गुप्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जसपाल सिंह संधू ने वध 2 को लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म वध की तरह ही उसकी सोच और कहानी को आगे बढ़ाती है। इसमें नए किरदारों के जरिए भावनाओं और हालात को एक नई कहानी में दिखाया गया है। वध 2 का वादा है कि इसमें वही सच्चाई, असर और दिल छू लेने वाली बात होगी, जिसने वध को खास बनाया था।

घोषणा के मौके पर मेकर्स ने दोनों कलाकारों को दिखाता एक दमदार पहला लुक जारी किया, जिसने दर्शकों को वध 2 की दुनिया की झलक दी। पोस्टर ने पहले ही लोगों में उत्सुकता और जोश पैदा कर

दिया है, जिससे एक नई दिलचस्प कहानी की शुरूआत होने जा रही है।

डायरेक्टर जसपाल सिंह संधू ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं कि वध 2 6 फरवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। हमने इस कहानी को बहुत दिल से बनाया है ताकि यह दर्शकों को बांधे और सोचने पर मजबूर करे। मैं लव और अंकुर का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने इस कहानी पर भरोसा किया। अब मुझे इंतजार है कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें, तो मिलते हैं सिनेमाघरों में, कहानी यहीं से आगे बढ़ेगी!"

प्रोड्यूसर लव रंजन ने कहा, "वध की खूबसूरती इस बात में है कि यह आम लोगों के विश्वास और उनके सामने आने वाली मुश्किल हालात को बहुत सच्चाई से दिखाती है, जो उनके जमीर और हिम्मत की परीक्षा लेते हैं। वध 2 में जसपाल ने इस सोच को और भी गहराई से दिखाया है, एक ऐसी कहानी के जरिए जो दिलचस्प भी है और सोचने पर मजबूर करने वाली भी। हमें बहुत खुशी है कि दर्शक इसे 6 फरवरी से बड़े पर्दे पर देख पाएंगे।"

प्रोड्यूसर अंकुर गर्ग ने कहा, "वध हमारे लिए एक ऐसी यात्रा थी जैसी हमने पहले कभी नहीं की थी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसने हमें हमारे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालकर एक गहरी, असली और अलग तरह की कहानी की दुनिया में ला खड़ा किया। दर्शकों का प्यार हमारे लिए बहुत कीमती था और इसने हमारे इस विश्वास को मजबूत किया कि अगर हम क्रिएटिव रिस्क लें, तो यादगार सिनेमा बनाया जा सकता है। वध 2 के साथ, हमने इस दुनिया को और आगे बढ़ाया है, इसमें नए लेयर, गहराई और इमोशन जोड़े हैं, और अपने क्रिएटिव लिमिट्स को फिर से चुनौती दी है। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक 6 फरवरी को सिनेमाघरों में वध 2 को देखें।"

लव फिल्म्स के बैनर तले बनी वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि फिल्म के प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग

'जामताड़ा-2' फेम सचिन ने मौत से 5 दिन पहले किया था बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के छोटे शहर जलगांव के परोला तालुका में एक ऐसी त्रासदी घटी, जो नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर 'जामताड़ा 2' के फैन को सिहरा देगी। 25 साल के युवा मराठी एक्टर सचिन चांदवाड़े, जिन्होंने छोटे शहरों के फिशिंग घोटालों की दुनिया में अपनी सादगी भरी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता था, ने 23 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:30 बजे अपने पैतृक गांव उंदिरखेड़े के घर की सबसे ऊपरी मंजिल पर फांसी लगा ली।

परिवार ने उन्हें तुरंत बचाने की कोशिश की, लेकिन वो जंग लड़ते हुए 24 अक्टूबर की आधी रात 1:30 बजे धुले के अस्पताल में हमेशा के लिए सो गए। पुलिस ने 'आकस्मिक मौत' का केस दर्ज किया है, लेकिन आत्महत्या का कारण अभी गहरा रहस्य बना हुआ है। क्या वो तनाव था, प्रोफेशनल स्ट्रगल, या कुछ छिपा दर्द? और मौत से महज 5 दिन पहले शेयर की गई इंस्टाग्राम पोस्ट इस दुखद घटना की गुत्थी को उलझा रही है। आइए जानते हैं, एक सप्ताह पहले तक उत्साहित दिखने वाले इस टैलेंटेड लड़के की कहानी, जो आईटी इंजीनियरिंग और एक्टिंग के बीच जूझ रहा था, आज पूरे इंडस्ट्री को झकझोर रही है...

23 अक्टूबर 2025, दोपहर का वक्त। उंदिरखेड़े गांव का शांत माहौल एकाएक हिल गया, जब सचिन के परिवार वालों ने घर की ऊपरी मंजिल पर लटका उनका बेटे का शव देखा। फंदे का वो दृश्य इतना डरावना था कि घर में चीखें गूंज उठीं। तुरंत परिवार ने उसे नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन हालत इतनी नाजुक थी कि रात होते-होते उसे धुले के बड़े अस्पताल में शिफ्ट करना पड़ा। वहां भी, 24 अक्टूबर की आधी रात 1:30 बजे, मशीनों की बिप-बिप बंद हो गई। सचिन अब नहीं रहा।

परोला पुलिस स्टेशन ने तुरंत ऋक्रक्र दर्ज की-क्चढउ की धारा 174 के तहत

'आकस्मिक मौत'। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है, लेकिन प्रारंभिक जांच में आत्महत्या ही कन्फर्म हुई। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, कोई गवाह नहीं, बस एक खाली कमरा और टूटा परिवार। पुलिस अब मोबाइल रिकॉर्ड्स, चैट्स और सोशल मीडिया हिस्ट्री खंगाल रही है। क्या सचिन अकेले थे? क्या कोई छिपी परेशानी थी? इंडस्ट्री के करीबियों का कहना है कि वो 'ग्राउंडेड' और 'डेडिकेटेड' थे, लेकिन छोटे शहर से मुंबई-पुणे की चकाचौंध में स्ट्रगल किसी को भी तोड़ सकता है।

सचिन चांदवाड़े-जलगांव जिले के परोला के साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाला ये लड़का बचपन से ही एक्टिंग का दीवाना था। गणेशोत्सव और गूड़ी पदवा पर वो पुणे के पॉपुलर कलावंत ढोल-ताशा पाठक ग्रुप में ढोल बजाता दिखता, जहां मराठी आर्टिस्ट्स के साथ उसकी एनर्जी कमाल की लगती। लेकिन रियल लाइफ में वो बैलेंस कर रहा था, दो दुनिया-पुणे के आईटी पार्क में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी, जहां 9-5 की रूटीन थी, और रातें-वीकेंड्स मुंबई-पुणे की फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल। 'जामताड़ा-2' में 2022 में रिलीज हुई उसकी सपोर्टिंग रोल ने उसे पहचान दी-वो सीरीज, जहां छोटे शहरों के फिशिंग स्कैम्स की डार्क वर्ल्ड दिखाई गई, और सचिन की नैचुरल परफॉर्मेंस ने क्रिटिक्स को इम्प्रेस किया।

लेकिन सक्सेस आसान नहीं थी। रिपोर्ट्स कहती हैं कि आईटी जॉब के प्रेशर, एक्टिंग के ऑडिशन्स के रिजेक्शन्स, और शायद फैमिली एक्सपेक्टेशन्स ने उसे अंदर से खोखला कर दिया। वो अक्सर सोशल मीडिया पर कम एक्टिव रहता, लेकिन जो पोस्ट करता, वो वर्क से जुड़ी होतीं। सितंबर 2022 में 'जामताड़ा 2' के सेट से एक फोटो शेयर की, जहां वो स्माइल के साथ पोज कर रहा था। दोस्तों का कहना है, 'वो हमेशा स्ट्रॉन्ग दिखता था, लेकिन अंदर क्या चल रहा था, किसी को पता नहीं।' क्या ये डुअल लाइफ का दबाव था जो फांसी की राह पर ले गया?

18 अक्टूबर 2025-मौत से ठीक 5 दिन पहले, सचिन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जो आज उसके फैंस के लिए एक पहेली बन गई है। ये था उसकी आगामी मराठी फिल्म 'असुरवन' का मोशन पोस्टर। डायरेक्टर सचिन रामचंद्र अंबट की ये थ्रिलर फिल्म, जिसमें पूजा मोइली और अनुज ठाकरे भी हैं, साल के अंत में रिलीज होने वाली थी। पोस्ट में सचिन ने लिखा कि वो 'सोमा' का किरदार निभा रहे हैं-एक इंटेंस रोल, जो फिल्म की ग्रिपिंग स्टोरी का सेंटर था।

लेकिन आज वो पोस्ट देखकर सवाल उठ रहे हैं-क्या ये खुशी का मास्क था? क्या 'सोमा' जैसे डार्क कैरेक्टर को प्ले करने का प्रेशर, या फिल्म की प्रमोशन्स की टेंशन ने उसे तोड़ दिया? प्रोड्यूसर्स स्वप्ना स्वरूप ने बताया, 'सचिन बहुत डेडिकेटेड था, प्रमोशन्स जस्ट शुरू हुए थे। उसकी मौत ने सबको शॉक कर दिया।' इंस्टाग्राम पर लाइक्स तो आए, लेकिन कमेंट्स में फैंस ने लिखा, 'भाई, सब ठीक है न?'-जो आज ट्रैजिक लगते हैं।

देहरादून में 'सांसद खेल महोत्सव' का शुभारंभ, मैदान में उतरे सीएम धामी, खिलाड़ियों के साथ खेली कबड्डी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव' में शिरकत की। इस दौरान सीएम ने खिलाड़ियों व युवा साथियों को सम्बोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया। सीएम धामी मैदान में उतरे और खिलाड़ियों का मनौबल बढ़ाते हुए नजर आए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय तपोवन में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में आयोजित हो रहा सांसद खेल महोत्सव, खेल प्रतिभाओं को गाँव से राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का बड़ा अभियान है।

उत्तराखंड में खेल महोत्सव तीन अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य फिट इंडिया-स्पोर्ट्स इंडिया-स्ट्रॉन्ग इंडिया के संदेश को गाँव-गाँव तक पहुंचाने के साथ ही स्थानीय, पारंपरिक और लोक खेलों को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है तथा वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा

है। राज्य सरकार भी प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य में आयोजित हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर इतिहास रचते हुए राज्य का गौरव बढ़ाने का कार्य किया।

आज उत्तराखंड विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भी देश के प्रमुख राज्यों में गिना जाने लगा है। स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान के अंतर्गत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों में प्रत्येक वर्ष 920 विश्वस्तरीय एथलीट और 1000 अन्य खिलाड़ी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में उत्तराखंड का प्रथम खेल विश्वविद्यालय एवं लोहाघाट में एक महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में खेलों के समग्र विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नई खेल नीति भी लागू की गई है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री खेल विकास निधि, मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना तथा खेल किट योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड खेल रत्न पुरस्कार और हिमालय खेल रत्न पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों की योग्यता को भी सम्मानित किया जा रहा है। राजकीय सेवाओं में खिलाड़ियों के लिए 4 प्रतिशत खेल कोटे को पुनः लागू किया गया है, जिससे हमारे खिलाड़ियों के परिश्रम और कौशल को उचित अवसर और सम्मान मिल सके।

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने की दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। बच्चों की प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए अनेक कार्यक्रमों सांसद खेल प्रतियोगिता, फिट इंडिया का आयोजन किया जा रहा है।

यूनुस ने बांग्लादेश के नक्शे में दिखाए नॉर्थ-ईस्ट के राज्य, पाकिस्तानी जनरल को गिफ्ट किया मैप, गलती या साजिश?

(जीएनएस)।

मुहम्मद यूनुस ने एक और गंभीर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (CJCSC) के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को एक विवादित और गलत नक्शा भेंट किया। इस नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों-असम और अन्य इलाकों-को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया था। इस विवादास्पद नक्शे को लेकर भारत में नाराजगी और राजनीतिक हलचल बढ़ गई है।

ढाका में मुलाकात के दौरान हुई घटना

दरअसल बीते सप्ताह शमशाद मिर्जा के ढाका दौरे पर गए थे। इस दौरान उनका मकसद 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद से बिगड़े दोनों देशों के रिश्तों में सुधार लाना था। ढाका में मुलाकात के दौरान यूनुस ने उन्हें यह नक्शा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया। सरकारी हैंडल ने साझा की तस्वीरें और जानकारी बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार के आधिकारिक एक्स ( ) हैंडल पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा की गईं।

बांग्लादेश-पाकिस्तानी की बढ़ रही करीबियां

पर किए गए पोस्ट में लिखा गया - "पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (उखउरउ) के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने ढाका में मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस से शिष्टाचार भेंट की।" इसके साथ पोस्ट में यह भी बताया गया कि बैठक के दौरान बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंधों, द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग पर चर्चा हुई।

पहले भी भारत को कर चुके हैं नाराज

यह पहला मौका नहीं है जब यूनुस ने भारत को नाराज किया हो। नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने पहले भी विदेशी नेताओं से बातचीत में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर विवादित बयान दिए हैं। उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश "सागर का एकमात्र अभिभावक" है, जबकि भारत के पूर्वोत्तर राज्य "लैंडलॉक्ड" हैं - यानी उनके पास समुद्र तक पहुंच नहीं है। चीन यात्रा के दौरान भी दिया था विवादित बयान अप्रैल 2025 में चीन की यात्रा के दौरान यूनुस ने चीनी अधिकारियों से कहा था- "भारत के सात राज्य, भारत का पूर्वी हिस्सा... वे एक लैंडलॉक देश हैं।

उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।" इस बयान ने भारत को नाराज कर दिया था। नतीजतन, भारत सरकार ने ट्रांसशिपमेंट समझौता रद्द कर दिया था, जिसके तहत बांग्लादेशी सामान भारतीय क्षेत्र से होकर नेपाल, भूटान और म्यांमार तक जाता था।

उत्तराखंड के 25 साल पूरे होने पर रजत जयंती उत्सव, पीएम मोदी का प्रस्तावित कार्यक्रम, जानिए क्या रहेगा खास

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के 25 साल पूरे होने पर रजत जयंती मनाई जा रही है। आगामी 1 से 9 नवंबर तक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 3 और 4 नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र होगा। जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु संबोधित करेंगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी प्रस्तावित कार्यक्रम बताया जा रहा है।

जिसमें सैन्य धाम का उद्घाटन होना है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर आयुक्त गढ़वाल के साथ अन्य अधिकारियों ने एफआरआई का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की प्रस्तावित दून यात्रा को लेकर राष्ट्रपति सचिवालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. राकेश गुप्ता ने देहरादून में अधिकारियों की बैठक ली।

इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। यह पहला अवसर है, जब देश के प्रधानमंत्री इस महत्वपूर्ण आयोजन में राज्य वासियों का उत्साहवर्धन करेंगे। जिसको देखते हुए अधिकारियों द्वारा आयोजन स्थल एफआरआई का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। सभी अधिकारियों द्वारा इस महत्वपूर्ण आयोजन को व्यवस्थित ढंग से आयोजित किये जाने के लिये हर प्रकार की व्यवस्था सही ढंग से समय पर पूर्ण किये जाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डे द्वारा जिलाधिकारी सहित सभी विभागीय उच्चाधिकारियों का इस आयोजन को यादगार बनाये जाने के लिये आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गए। आयुक्त गढ़वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड से लगाव किसी से छिपा नहीं है। उत्तराखण्ड के विकास के प्रति प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण भी जग जाहिर है।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित इस महत्वपूर्ण आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति निश्चित रूप से राज्य वासियों के लिए सम्मान की बात है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की प्रस्तावित दून यात्रा को लेकर राष्ट्रपति सचिवालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. राकेश गुप्ता ने देहरादून में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में डॉ. गुप्ता ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की परिसंपत्तियों के अंतर्गत देहरादून में बनाए जा रहे राष्ट्रपति उद्यान सहित अन्य निमार्णाधीन कार्यों को तय समय में पूरा किया जाय।

राष्ट्रपति संपदाओं को "राष्ट्र का भवन" बनाने की महत्वपूर्ण पहल के चलते देहरादून में राष्ट्रपति निकेतन

सलमान खान ने फिर पेश की दोस्ती की मिसाल, 'बैटल ऑफ गलवान' में इस एक्टर को दिया काम! मूवी में गोविंदा दिखाई दे सकते हैं

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने इसका पहला शेड्यूल लद्दाख में पूरा किया। इसके बाद वो दूसरा शेड्यूल मुंबई में शूट कर रहे हैं। यह फिल्म 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन अपूर्वा लाखिया कर रहे हैं, जो अपनी दमदार एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

हाल ही में सलमान खान अपने रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के वीकेंड का वार एपिसोड में नजर आए, जहां अभिनेत्री गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा बतौर विशेष मेहमान शामिल हुईं। बातचीत के दौरान सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ रीयूनियन को लेकर बात की। इसके बाद सोशल मीडिया पर खबरें फैल गईं कि सलमान खान और गोविंदा एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग शुरू कर दी है, हालांकि अभी तक इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दोनों सितारे पहले भी 'पार्टनर' (2007) जैसी सुपरहिट फिल्म में साथ नजर आ चुके हैं, और फैंस लंबे समय से इस जोड़ी की वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

दमदार स्टारकास्ट और कहानी

'बैटल ऑफ गलवान' में सलमान खान के साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह

मुख्य भूमिका में होंगी। इनके अलावा अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज, सिद्धार्थ मूली और जेन शॉ जैसे कलाकार भी फिल्म में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म एक देशभक्ति एक्शन ड्रामा के रूप में बनाई जा रही है, जो भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान को दर्शाएगी।

सलमान खान के आगामी प्रोजेक्ट्स

'बैटल ऑफ गलवान' के साथ ही सलमान खान ने पुष्टि की है कि उनकी सुपरहिट फिल्म 'बजरंगी भाईजान' का सीक्वल भी जल्द शुरू किया जाएगा। फैंस इस खबर से बेहद उत्साहित हैं। सलमान को आखिरी बार 'सिकंदर' में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ देखा गया था, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। अब दर्शकों को उम्मीद है कि 'बैटल ऑफ गलवान' सलमान खान के करियर में एक बार फिर देशभक्ति और एक्शन का नया धमाका लेकर आएगी - खासकर अगर इसमें गोविंदा की जोड़ी सच में शामिल होती है, तो यह फिल्म फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज साबित हो सकती है।